



**Indraprastha College for Women
University of Delhi**

Work Plan for ODD SEMESTER – 2026

Course Name:	B.A. Programme
Paper Title:	DSE 3: Introduction to Itihaas Puran Tradition
Unique Paper Code:	
Semester:	V
Faculty:	Dr. Shraddha
Year:	2026- 27

Work Plan			
Unit No.	Learning Objective	Lecture No.	Topics to be Covered
II	संस्कृत साहित्य के प्रारूप को समझना	1	संस्कृत साहित्य के इतिहास पर एक दृष्टि
II	लौकिक संस्कृत के उपक्रम को समझना	2	पुराण का सामान्य पररचय
II	रामायण को पढ़कर उच्च आशर्षों की समझ विकसित करना	3	रामायण के प्रथम चार काण्डों में निर्णित विषयिस्तु पर चर्चा
II	पुराण का अध्ययन लोकाचार और धर्म को समझने में सहायक	4	शेष संस्कारिकां आदि की विषय-िस्तु में प्रक्षिपतांशों पर चर्चा
II	रामायण के तथ्यात्मक पिलुओं को समझना	5	रामायण के रचनाकाल और रचनाकाल का विवेचन
II	शोधपरक दृष्टि में पुराण	6	रामायण के विभिन्न संस्करण
II	आधारग्रंथ स्वरूप पुराण की लोकप्रयता को समझना	7	रामायण का उपजीव्यत्ति पर चर्चा
II	रामायण काव्य की सांस्कृतिक और सांस्कृतिक मित्ता को समझना	8	रामायण का सांस्कृतिक, सामाजिक, साहित्यिक मित्ति
II	साहित्यिक दृष्टि से पुराण की मित्ता को समझना	9	रामायण में प्रयुक्त काव्यशास्त्रीय तत्त्वों का विवेचन
II	शोध की दृष्टि से पुराण को समझना	10	रामायण की टीकाएं, उपलब्ध अन्य रामायण ग्रंथों में त्रुटि
III	लौकिक साहित्य में ऐतिहासिक काव्य की रूपांतर को समझना	11	भारत का सामान्य पररचय

			ऐ इसका स्िरूप
III	भारतीय इततिस के प्रतत गंीर धचंतन में असििृद्ध	12	पुराण का विकास क्रम
III	१८ पुराणों की अवधारणा	13	भागवत पुराण
III		14	म द्वयम् से संबंधित मत्स्यपुराण
III	शोध परक दृष्टि में पुराण	15	कूर्मपुराण
III	स्रोत ग्रंथ के रूप में पुराण	16	विष्णु पुराण
III	१८ पुराणों की जानकारी	17	पुराणों का तथ्यात्मक विश्लेषण
III	१८ पुराणों की जानकारी	१८	पुराणों का तथ्यात्मक विश्लेषण
III	१८ पुराणों की जानकारी	१९	पुराणों का तथ्यात्मक विश्लेषण
III	१८ पुराणों की जानकारी	२०	पुराणों का तथ्यात्मक विश्लेषण
III	१८ पुराणों की जानकारी	२१	पुराणों का तथ्यात्मक विश्लेषण
III	१८ पुराणों की जानकारी	२२	पुराणों का तथ्यात्मक विश्लेषण

Unit	Contents/Syllabus
I	Unit 1- Meaning and Significance of Itihāsa- purāṇa • Meaning of Itihāsa and purāṇa, its mention in Atharvaveda (15-6-8,11), Chāndogya upaniṣada 7.4, Arthaśāstra 1.5) • Exposition of इततिसपुराणाभयां िेिं समुपबृिंयेत् • Panca Lakṣaṇa (five characteristics) of purāṇa • Place of Itihāsa- purāṇa in Indian narrative traditio

II	Unit II - Rāmāyaṇa The text and author, various versions and critical edition, ethos and culture in Rāmāyaṇa, as a source-book (Upajīvyā) for the later literary production.
III	Unit III - Mahābhārata The text and author, evolution of the text- Jaya, bhārata, mahābhārata, brief description of 18 chapters, Mahābhārata as an encyclopaedic text, as a sourcebook (Upajīvyā) for the later literary production.
IV	Unit 4- Purāṇa Brief introduction to 18 Purāṇas, purāṇa as source-book of history, religion, culture, geography, art and craft.
Sr. No.	<u>Name of Authors/Books/Publishers</u>
II	1. िाल्मीकी रामायण गोरखपुर ,गीताप्रेस ,2021 2. संस्कृत साहित्य का इतिहास डॉ० उमाशंकर शर्मा ऋषि 3. History of Classical Sanskrit Literature, Keith, A.B., MLBD, Delhi 4. Ramayana – C. Rajgopalachari, Mumbai, Bhartiya Vidya Bhawan, 2013
III	1. भारतीय साहित्य पर महाभारत का प्रभाव ,चक्रांत बांडवदेकर आय प्रकाशन मंडल ,2009 2. संस्कृत साहित्य का इतिहास डॉ० उमाशंकर शर्मा ऋषि 3. History of Classical Sanskrit Literature, Keith, A.B., MLBD, Delhi 4. Mahabharata – C. Rajgopalachari, Mumbai, Bhartiya Vidya Bhavan, 2010
IV	1. संस्कृत साहित्य का इतिहास डॉ० उमाशंकर शर्मा ऋषि 2. History of Classical Sanskrit Literature, Keith, A.B., MLBD, Delh. 3. पुराण-विमर्शि- बलैि उपाध्याय

Credits	Lecture (L)	Tutorial (T)		
2	2	0		
S.No.	Component	Marking Scheme		
1	Internal Assessment	IIP- I.A. - 12+12+6=30		

	• Assignment • Class Test • Attendance	12		
		12		
		06		
2.	Continuous Assessment (Tutorial)	C.A: 20+15+05=40		
	• Activity 1 • Activity 2 • Attendance	20		
		15		
		05		
3.	Practical			
	• Continuous Assessment • End Term Written/Practical Exam • Viva			
4.	End Semester Examination			



Indraprastha College for Women University of Delhi

Work Plan for ODD SEMESTER – 2026

Course Name:	B.A.Programme
Paper Title:	DSC-Minor: Sanskrit Theatre
Unique Paper Code:	2132202301
Semester:	III
Faculty:	Dr. Shraddha
Year:	2026-27

Work Plan			
Unit No.	Learning Objective	Lecture No.	Topics to be Covered

I	दृश्यकाव्य का स्वरूप अवधारण	1	दृश्यकाव्य-रूपक(10) उपरूपक(18), विविध उपनाम
I	नाट्य-विषयक ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे	2	नाट्यशास्त्रीय परंपरा में भरतमुनि का स्थान
I	संबंधित साहित्य का परिचय	3	साहित्य दर्पण का परिचय
I	नाटक संबंधित अवधारणा को पाना	4	नाटक का उद्गम व विकास
I	नाटक संबंधित अवधारणा को पाना	5	नाटक का उद्गम व विकास
I	नाटक की समग्रता जानना	6	नाटक के विकास के विविध आयाम
I	नाटक की समग्रता जानना	7	नांदी से भरतवाक्य तक के तत्त्व
II	रंगमंच की अवधारणा को जानना	8	रंगमंच का स्वरूप
II	रंगमंच की अवधारणा को जानना	9	रंगमंच का स्वरूप
II	रंगमंच की अवधारणा को जानना	10	रंगमंच के प्रकार
II	रंगमंच की अवधारणा को जानना	11	चतुरस्र और त्रस्र रंगमंच
II	नाटक में आवश्यक अंशों को जानना	12	रस का स्वरूप, पंचसंधि
II	नाट्यलेखन के आयाम जानना	13	पंचार्थप्रकृति आदि

Unit	Contents/Syllabus
I	Unit I : Origin and development of stage in different ages: Pre-historic, Vedic age. Epic-puranic age
II	Unit II -Theatre: Types and Constructions
III	Unit III Drama: Subject-Matter (vastu), Acting: Āṅgika, Vācika, Sāttvika and Āhāry.

Sr. No.	Name of Authors/Books/Publishers
1.	1. राधािल्लि त्ररपाठी, िारतीय नाट्य स्िरूप एिपरम्परा, संस्कृ त परिषद्, सागर मध्य प्रिर्श 1988 2. िजारी प्रसाि द्वििेिी (सं.), नाटशास्त्र की िारतीय परम्परा एिर्शिरूपक,राजकमल प्रकाशन, हिल्ली 1963 3. सीताराम झा, नािक और रंगमंच, त्रबिर राजािषा परिषद्पिना 1982 4. बाबूलाल शुक्ल शास्त्री (सम्पा.), नाट्यशास्त्र (1-4 िाग), चौखम्ा संस्कृ त संस्थान, िाराणसी, 1984
2.	1. राधािल्लि त्ररपाठी, िारतीय नाट्य स्िरूप एिपरम्परा, संस्कृ त पररषद्, सागर मध्य प्रिर्श ,1988 2. िजारी प्रसाि द्वििेिी (सं.), नािशसि की िारतीय परम्परा एिर्शिरूपक,राजकमल प्रकाशन, हिल्ली 1963
3.	1. सीताराम झा, नािक और रंगमंच, त्रबिर राजािषा पररषद्पिना 1982 2. बाबूलाल शुक्ल शास्त्री (सम्पा.), नाट्यशासि (1-4 िाग), चौखम्ा संस्कृ त संस्थान, िाराणसी, 1984 3. बृजमोिि चतुिेिी, नाट्यशासिम्, विद्यातनधध प्रकाशन हिल्ली, 2003

				Paper
Credits	Lecture (L)	Tutorial (T)		
1	1	0		
				Assessm
S.No.	Component	Marking Scheme		
1	Internal Assessment - Assignment - Class Test - Attendance	ST – I.A : 12+12+6=30		
		12		
		12		
		06		
2.	Continuous Assessment (Tutorial) - Activity 1 - Activity 2 - Attendance	C.A: 20+15+05=40		
		20		
		15		
		05		

3.	Practical			
		• Continuous Assessment		
		• End Term Written/Practical Exam		
		• Viva		
4.	End Semester Examination			



Indraprastha College for Women University of Delhi

Work Plan for ODD SEMESTER – 2026

Course Name:	B.A.Programme
Paper Title:	DSC- Major: Geeta and Upanishad
Unique Paper Code:	2132202302
Semester:	III
Faculty:	Dr. Shraddha
Year:	2026- 27

Work Plan			
Unit No.	Learning Objective	Lecture No.	Topics to be Covered
III	उपनिषद् शब्द का परिचय	1	उपनिषद् शब्द का परिचय सामान्य
III	उपनिषद् की संख्या जानना	2	उपनिषद् की संख्या रचना काल
III	उपनिषद् के तत्त्व	3	उपनिषद् के प्रतिपाद्य विषय- आत्मा, ब्रह्म
III	ईशावास्य का मन्त्रानुसारी अर्थ समझना	4	मन्त्र संख्या १
III	ईशावास्य का मन्त्रानुसारी अर्थ समझना	5	मन्त्र संख्या २
III	ईशावास्य का मन्त्रानुसारी अर्थ समझना	6	मन्त्र संख्या ३
III	ईशावास्य का मन्त्रानुसारी अर्थ समझना	7	मन्त्र संख्या ४

IV	ईशावास्य का मन्त्रानुसारी अर्थ समझना	8	मन्त्र संख्या ४
IV	ईशावास्य का मन्त्रानुसारी अर्थ समझना	9	मन्त्र संख्या ५
IV	ईशावास्य का मन्त्रानुसारी अर्थ समझना	10	मन्त्र संख्या ६
IV	ईशावास्य का मन्त्रानुसारी अर्थ समझना	11	मन्त्र संख्या ७
IV	ईशावास्य का मन्त्रानुसारी अर्थ समझना	12	मन्त्र संख्या ८
IV	ईशावास्य का मन्त्रानुसारी अर्थ समझना	13	मन्त्र संख्या ९
IV	ईशावास्य का मन्त्रानुसारी अर्थ समझना	14	मन्त्र संख्या १०
IV	ईशावास्य का मन्त्रानुसारी अर्थ समझना	15	मन्त्र संख्या ११,१२
IV	ईशावास्य का मन्त्रानुसारी अर्थ समझना	16	मन्त्र संख्या १३ से १८

Unit	Contents/Syllabus
I	Unit I : General introduction to Philosophy of Gita :Jnana Yoga, Karmayoga and Bhakti Yoga. ● Chapter Two – (Verse: 09-30) :Nature of Atman, (Text Reading, Grammar, Translation, Explanation, Question based on Shlokas.
II	Unit II Gita: Chapter Two – (Verse: 31-54) :Karmyoga, (Text Reading, Grammar, Translation, Explanation, Question based on Shlokas) ● Chapter Two – (Verse: 55-68) :Sthitaprajna, (Text Reading, Grammar, Translation, Explanation, Question based on Shlokas.
III	Unit III : General Introduction to Upaniṣadic Philosophy General Introduction to Upaniṣadic Philosophy: ātman, brahman, īśvara, karma, srśṭi.
IV	Unit IV Upaniṣad: Īśāvāsyopniṣad ● Text Introduction to Īśāvāsyopniṣad ● Text Reading of Īśāvāsyopniṣa

Sr. No.	Name of Authors/Books/Publishers
1	1. िगिद्वीता, शर्ङ्करिाटय अनुिाि सहित, अनुिािक- श्री िररकृ टणिस गोयन्िका, गीताप्रेस गोरखपुर। 2. गीतािाटयनिम्बरा, डा. सर्शिनारायण शर्सी 3. श्रीमद्िगिद्वीता, साधकसंजीिनी िीका, रामसुखपरमिस, गीताप्रेस गोरखपुर
2	1. िगिद्वीता, शर्ङ्करिाटय अनुिाि सहित, अनुिािक- श्री िररकृ टणिस गोयन्िका, गीताप्रेस गोरखपुर। 2. गीतािाटयनिम्बरा, डा. सर्शिनारायण शर्सी 3. श्रीमद्िगिद्वीता, साधकसंजीिनी िीका, रामसुखपरमिस, गीताप्रेस गोरखपुर
3	1. िनुमान प्रसाि पोद्ार (सम्पािक), ईर्शािास्योपतनषद्, गीताप्रेस गोरखपुर । 2. सर्शिनारायण शर्सी, ईर्शािास्योपतनषद्, पररमल प्रकाशन, हिल्ली, 1996 । 3. शसर्श ततारी, ईर्शािास्योवपनषद्: िूसमका ँि व्याख्या, िारतीय विद्या प्रकाशन, हिल्ली
4	1. िनुमान प्रसाि पोद्ार (सम्पािक), ईर्शािास्योपतनषद्, गीताप्रेस गोरखपुर । 2. सर्शिनारायण शर्सी, ईर्शािास्योपतनषद्, पररमल प्रकाशन, हिल्ली, 1996 । 3. शसर्श ततारी, ईर्शािास्योपतनषद्: िूसमका ँि व्याख्या, िारतीय विद्या प्रकाशन, हिल्ली

			Paper	
Credits	Lecture (L)	Tutorial (T)		
2	1	1		
			Assessm	
S.No.	Component	Marking Scheme		
1	Internal Assessment - Assignment - Class Test - Attendance	I.A: 12+12+6=30		
		12		
		12		
		06		
2.	Continuous Assessment (Tutorial) - Activity 1 - Activity 2 - Attendance	C.A: 20+15+5=40		
		20		
		15		
		05		
3.	Practical - Continuous Assessment - End Term Written/Practical Exam - Viva			

4.	End Semester Examination		
----	--------------------------	--	--